आचार्य विद्यासागर का आगमन हुआ इन्दौर की निर्माणाधीन प्रतिभास्थली पर

रेवती रेंज में बनने वाली प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ में 1600 छात्राओं को पढ़ाने के लिए व्यवस्था होगी। इसके अलावा वहां दो भव्य मंदिर भी बनाए जायेंगे, जिसमें कुल 1334 प्रतिमाएं विराजमान की जाएंगी । लगभग 27 एकड़ के परिसर में संत निवास, प्रतिभास्थली, होस्टल, सहस्त्रकूट जिनालय, सर्वत्रोभद्र मंदिर, भोजनशाला सहित अन्य निर्माण किए जा रहे हैं । आचार्य विद्यासागर पंचकल्याणक महोत्सव के बाद नगर भ्रमण कर 3 मार्च को रेवती रेंज पर पधारे है ।

दयोदय चैरिटेबल फाउंडेशन के सहयोग से 20 साल पहले देखा गया सपना अब साकार हो रहा है । 20 साल पहले ही आचार्यश्री इन्दौर एक विधान में पहुंचे थे । उस समय उसकी बची हुई राशि से जमीन खरीदी गई । इसके बाद उसे बनाने का लगातार प्रयास हो रहा था । ब्रह्मचारी सुनील भैया ने बताया कि 27 एकड़ में से लगभग 10 एकड़ जमीन पर यह निर्माण हो रहे है, जिसमें प्रतिभास्थली में 1600 छात्राओं को 100 ब्रह्मचारिणी दीदी पढ़ाएंगी। वहीं निर्धन परिवार की बालिकाओं के लिए शिक्षा भी निशुल्क रखी जाएगी ।

प्रतिभास्थली – रेवती रेंज में प्रतिभास्थली का निर्माण किया जा रहा है । कक्षा 4थी से 12वीं तक हिन्दी माध्यम में पढ़ाई व्यवस्था रहेगी । होस्टल और भोजनशाला भी होगी । अभी उदय नगर में प्रतिभास्थली चलाई जा रही है ।

सहस्त्रकूट जिनालय – यहां सहस्त्रकूट जिनालय बनाया जायेगा । यह जिनालय 126 फीट ऊंचा होगा, जिसका निर्माण जैसलमेर पत्थर से होगा । इसमें 1008 प्रतिमाएं विराजित की जाएंगी । सभी प्रतिमाएं सिद्ध भगवान और धातु की होगी।

सर्वत्रोभद्र मंदिर – प्रतिभास्थली में ही सर्वत्रोभद्र मंदिर भी बनाया जाएगा । 225 फीट ऊंचा यह मंदिर तीन मंजिल होगा । इसमें अरिहंत भगवान और सिद्ध भगवान की 324 प्रतिमाएँ विराजित की जाएंगी । सभी प्रतिमाएं धातु की होगी।

संत भवन – प्रतिभास्थली में ही संत निवास भी बनाया जा रहा है । जल्द ही यह बनकर तैयार हो रहा है । यहां पर जैन समाज के आचार्य, संत और श्रीसंघ विश्राम करेंगे । संकलन - राजेन्द्र जैन

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ
जबलपुर

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ
चन्द्रगिरी, राजकट्टा, डोंगरगढ़ (छ.ग.)

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ
रामटेक, जिला नागपुर (महा.)

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ
उदय नगर, इन्दौर (म.प्र.)

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ
पपौरा जी, टीकमगढ़ (म.प्र.)

गुरुकुल शिक्षण परम्परा की पोषाक है प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यालय

संतशिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से यह जिनालय बना शिक्षा का ज्योति द्वीप

संत शिरोमणि आचार्य प्रवर 108श्री विद्यासागरजी महाराज के परम आशीर्वाद से संचालित प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ कन्या आवासीय जिनालय कन्याओं के व्यक्तित्व विकास का ऐसा केन्द्र बन रहा है जहां जीवन का निर्वाह नहीं निर्माण होता है । भारत प्राचीन काल से ही अपनी सुव्यवस्थित गुरुकुल शिक्षण पंरपरा के कारण ज्ञान, विज्ञान, अध्यात्म, नैतिक मूल्य, कला, संस्कृति, व्यापार आदि अनेक क्षेत्रों में विश्व में अग्रणी रहा है, उसी परम्परा की राह पर संचालित प्रतिभास्थली विद्यालय गुरुकुल शिक्षण परम्परा का पोषाक है । अध्यापन और प्रयोग के द्वारा विद्यार्थियों को निश्चित आदर्श तक पहुँचाने के उद्देश्य के साथ कन्याओं के शारीरिक, दार्शनिक, सामाजिक, बौद्धिक एवं चारित्रिक विकास हेतु स्वस्थ शिक्षा योजना का सृजन किया जा रहा है । यहां स्वस्थ्य तन, मन, वचन, धन, वन, वतन और चेतन के 7 आधार स्तंभों को सुदृढ़ करने के लिए विद्यालय में शिक्षण, प्रशिक्षण, शालेय गतिविधियां तथा सुविधायें प्रदान की जा रही है । नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षण, नियमित दिनचर्या, आत्मानुशासन की शिक्षा, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के अवसर, सृजनात्मकता व रचनात्मकता को प्रोत्साहन देने के साथ ही योग शिक्षण, खेल-कूद, नृत्य-संगीत, पाककला, सिलाई-कढ़ाई,सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित यह विद्यालय संत शिरोमणि आचार्य प्रवर 108 श्री विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद शिक्षा की ऐसा ज्योति द्वीप है, जहां आधुनिकता के इस दौर में कन्याओं की सात्विक प्रगति का निरंतर मार्ग प्रशस्त हो रहा है । वर्तमान में पाँच स्थानों पर क्रमश: जबलपुर (तिलवारा), डोंगरगढ़ (चन्द्रगिरी तीर्थ), रामटेक (महाराष्ट्र), इन्दौर (मध्यप्रदेश), पपौरा (मध्यप्रदेश) पर प्रतिभास्थली विद्यालय संचालित है । यहां कक्षा चौथी से बारहवीं तक की छात्राओं का सीबीएसई बेस्ड पेटर्न पर अध्ययन कराया जाता है । कक्षा 4 से कक्षा 6तक की छात्राओं के लिए 1 जनवरी 2020 से प्रवेश प्रारंभ हो चुका है ।

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ -

1) दयोदय तीर्थ, तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.) 482002 * सीबीएसई मान्यता क्रमांक 1030322 * मोब.: 9685322388

2) चन्द्रगिरी, राजकट्टा, डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव (छग.) 491145 * सीबीएसई मान्यता क्रमांक 3330237 * मोब.: 9009717108, 07823-233101

3) श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, रामटेक, जिला - नागपुर (महाराष्ट्र) 440001 * सीबीएसई मान्यता क्रमांक 1130691 * मोब.: 9405707781

4) उदयनगर, बंगाली चौराहा, इन्दौर (म.प्र.) 452016 * सीबीएसई मान्यता क्रमांक 1130691 * मोब.: 9754626800

5) अतिशय क्षेत्र, पपौरा जी, टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001 * सीबीएसई मान्यता क्रमांक 1030322 * मो.: 6263121898

गुरुदेव की प्रेरणा स्वालंबन की राह पर जेल बंदी

आचार्य श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के आशीर्वाद से रायपुर के निकट नारी गांव में 1000 युवक युवतियों को रोजगार देने तथा बुरे रास्ते पर चलते हुए भटके हुए भूले हुये भाई बहनों को मुख्यधारा में जोड़कर हथकरघा के माध्यम से रोजगार स्थापित करने हेतु हथकरघा हस्तशिल्प और अंबर चरखा भवन का शिलान्यास 13 फरवरी को किया गया । देश के जाने माने दानवीर उद्योगपति दयालु कृपालु धर्मात्माओं के द्वारा शिलान्यास किया गया । शिलान्यास के इस पावन अवसर पर सक्रिय सम्यक दर्शन सहकार संघ के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्र. सुनील भैया एवं ब्र. दीपक भैया, ब्र. पदम भैया, ब्र. सुलभ भैया,ब्र. रौनक भैया तथा ब्र. अमित भैया, ब्र. अंकित भैया, ब्र. सजा लो भैया और चंद्र की सभी ब्रह्मचारिणी दीदीओं के तत्वावधान में एवं ब्र.उत्कर्ष भैया महेश्वर के नेतृत्व में ब्र. आकाश भैया 'बनारस' की सहयोग से सभी कार्य सानंद संपन्न हुए ।

आपको ज्ञात ही होगा कि आचार्य श्री के आशीर्वाद से सागर जेल, जबलपुर जेल, मिर्जापुर जेल, बनारस जेल, आगरा जेल, तिहाड़ जेल दिल्ली, जगदलपुर जेल इन सभी जेलों में सजा काट रहे बंदियों के उत्थान हेतु **भारत पताका हथकरघा** केन्द्रों की स्थापना की गई । आज की तारीख में सभी जेलों में लगभग 400 से 500 बंदी सजा काटते हुए भी हथकरघा की कला सीख गये और 1 दिन में 300 रु. से लेकर 800 तक कमाने लगे कुछ जेलों में कुछ कैदियों के अथक मेहनत और प्रयास करके हजारों रुपये तक 1 दिन में कमाना प्रारंभ कर दिया।

दिल्ली में एक नंबर जेल में वर्तमान 40 बंदियों द्वारा हथकरघा की कला सीख रहे हैं धोती दुपट्टा और साड़ियां शुद्ध अहिंसक तरीके से निर्मित की जा रही है । आचार्य श्री का अशीर्वाद रहा है चाहे वह जेल में हो या शहर में हो या नगर में हो या गांव में हो । जहां भी हथकरघा सेंटर प्रारंभ होगा उन सभी को सबसे पहले शाकाहार का नियम दिया जाता है जो जीवन पर्यंत के लिए मद्य, मांस, मधु त्याग करते हैं ।

उन सभी महानुभावों को हथकरघा की कला सिखाई जाती है । दिल्ली तिहाड जेल नं. 1 में 2200 कैदियों ने एक साथ संकल्प लिया । हम जीवन भर पर्यंत मद्य, मांस तथा मधु का त्याग करेंगे और शाकाहार अपनायेंगे उसमें अभी वर्तमान में 22 मुस्लिम लोग भी सजा काटते हुए काम कर रहे हैं उन्होंने एक पत्र आचार्यश्री के लिए भेजा है जिसका शीर्षक दिया है तिहाड़ जेल से बंदियों के द्वारा भेजा जाने वाला पत्र 'बाबा के नाम' ।

उसमें उन्होंने लिखा कि जब से तिहाड़ जेल में हथकरघा प्रारंभ हुआ है उसी दिन से हम लोग हथकरघा सेंटर में प्रवेश करते हैं उसके पहले आपकी बहुत बड़ी चित्र के सामने खड़े होकर हम अपने परमात्मा को याद करते हैं । परमात्मा के रुप में आपके चित्र को देखकर ही आनंदित होते है । आपने जब से हम लोगों के कल्याण की भावनायें रखी तभी से ऐसा लगने लगा अल्लाह एक बार फिर धरती पर उतर के आ गया विद्यासागर के रुप में जो हम सभी के कल्याण की भावनाएं उत्थान की भावनाएं आने लगी ।

हम सभी आपके दर्शनों की अभिलाषा रखते हैं जब से हथकरघा का कार्य प्रारंभ किया है तब से हम लोगों का मानसिक परिवर्तन हुआ है जो बदले की भावनाएं निरंतर चलती थी वह भावनाएं बदल चुकी है और अपनेपन की भावनाएं हम लोगों के हृदय में उद्घाटित होने लगी हम सब के ऊपर आपका आशीष हमेशा बना रहे यही आपसे गुजारिश है । ऐसा पत्र लिखकर उन्होंने आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के चरणों में भेजा । हर जेल के अंदर कुछ ना कुछ एक नया कार्य हो रहा है उन कैदियों के मानसिक परिवर्तन के साथ जो भी पैसा वहां कमाते है परिवार के साथ संयुक्त खाता खुल चुका है जिता भी पैसा यहां कमाते है वह सारी राशि उनके परिवार वाले निकालकर सदुपयोग करते हैं । सजा काटते हुए भी परिवार का पालन उन बंदियों के द्वारा किया जा रहा है यही अनुकंपा आचार्य विद्यासागरजी महामुनिराज की हम सबके ऊपर रही और आज पूरे देश के अंदर करीब करीब 150 से 200 हथकरघा के सेंटर प्रारंभ हो चुके है जिसमें करीब 1000 परिवार लाभांवित हो रहे है । बनारस जेल से बनी बनारसी साड़ी बनकर आती है जो बाजार में 10 से 15 हजार में बिकती है किंतु हम लोग व्यापार नहीं करना चाहते । हम लोग तो सिर्फ सिर्फ आचार्य भगवन की भावनाओं को ध्यान में रखते है और उन सब कैदियों की मानसिक परिवर्तन के लिए जो लागत कीमत होती है उसकी कीमत पर साड़ियां देते है । अभी इन्दौर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ उसमें हम लोगों ने दो हजार से अधिक धोती, दुपट्टा हथकरघा केन्द्र से लेकर सभी इन्द्र-इन्द्राणियों को दिये । आपसे भी आशा करते है कि आप अपने मंदिरों में भगवान का अभिषेक करने के वस्त्र, पानी छानने के वस्त्र और अभिषेक करने के धोती दुपट्टे और मंदिर जाने की महिलाओं की साड़ियां हमारे हथकरघा सेंटर से खरीदें । आप चाहे तो हमसें संपर्क कर आर्डर दे सकते है । आपके नगर/गांव में यह भिजवा दिया जायेगा । बहुत कम राशि में अहिंसा का प्रचार प्रसार और देश को सुदृढ़ बनाने के लिए भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा के सूत्र को उद्घाटित करने के लिए शुद्ध अहिंसक वस्त्र पहने और धर्म के प्रचार प्रसार में अपना सहयोग प्रदान करें । यही आपसे निवेदन है ।

संपर्क सूत्र - ब्र. सुनील भैया 9425963722, ब्र. दीपक भैया 9425344733, ब्र. सुलभ भैया 7977949783, ब्र. रौनक भैया 7693846284

संकलन - सपना जैन, भोपाल